Date: 24-02-2022
Publication: Hari Bhoomi
Edition: Korba

जनवरी में उत्पादन 6.13 प्रतिशत बढ़कर 79.60 मिलियन टन पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोल इंडिया का कोयला उत्पादन जनवरी 2020 की तुलना में जनवरी 2022 के दौरान 75 मिलियन टन से 6.13 प्रतिशत बढ़कर 79.60 मिलियन टन हो गया। कोल मंत्रालय द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष जनवरी के दौरान कुल उत्पादन में से कोल इंडिया ने 64.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन कर 2.35 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त की।

खास बातें

- कोल मंत्रालय द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों में हुआ खुलासा
- सीआईएल ने 64.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन कर 2.35 प्रतिशत की वृद्धि की

सिंगरेनी कोलियरीज लिमिटेड (एससीसीएल) ने 5.42 प्रतिशत वृद्धि के साथ 6.03 एमटी का उत्पादन किया। इस अवधि के दौरान कैप्टिव ब्लाकों में 9.07 एमटी कोयले का उत्पादन किया और 44.91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जनवरी 2022 के दौरान कोयला डिस्पैच 10.80 प्रतिशत बढ़कर 68.19 एमटी से 75.55 एमटी हो गया। जनवरी, 2022 के दौरान कुल उत्पादन में से कोल इंडिया लिमिटेड 7.71 प्रतिशत की वृद्धि की और उसके द्वारा 60.85 एमटी कोयला डिस्पैच किया गया। एससीसीएल ने 6.99 एमटी कोयला भेजकर 6.45 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। इस अवधि में कैप्टिव ब्लॉकों में 8.71 एमटी कोयला भेजकर 43.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। शीर्ष 35 कोयला उत्पादन खदानों में 14 खदानों ने 100 प्रतिशत से अधिक काम किया तथा 6 खदानों का उत्पादन 80 और 100 प्रतिशत के बीच रहा। जनवरी 2020 की तुलना में जनवरी 2022 में कोयला आधारित विद्युत उत्पाद उत्पादन न 9.21 प्रतिशत बढ़ा। जनवरी 2020 की तुलना में जनवरी 2022 में समग्र विद्युत उत्पादन 6.69 प्रतिशत अधिक रहा है। दिसंबर 2021 के 85579 एमयू की तुलना में जनवरी 2022 में कोयला आधारित विद्युत उत्पादन 886.42 एमयू हुआ और इसमें 3.58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। देश में कुल विद्युत उत्पादन जनवरी 2022 में बढ़कर 115757 एमयू हो गया है, जो दिसंबर 2021 में 113094 एमयू था। वित्त वर्ष 2022 के कोयले उत्पादन की तुलना वित्त वर्ष 2020 से की गई है, क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण वित्त वर्ष 2021 असामान्य माना गया है।

***Date*:** 25-02-2022
***Publication*:** Dainik Bhaskar
***Edition*:** Nagpur

कोल इंडिया में लागू हुई ईआरपी कोयला मंत्री ने किया शुभारंभ

नागपुर | केंद्रीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली में कोल इंडिया में एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) का शुभारंभ किया। साथ ही अनुषंगी कंपनियों एवं इकाइयों सहित पूरे कोल इंडिया में ईआरपी ने कार्य करना शुरू कर दिया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जोशी ने "फ्यूलिंग इंडियाज एनर्जी नीड्स" नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। यह पुस्तक कोल इंडिया द्वारा सतत विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का संकलन है। कार्यक्रम में कोयला, खान एवं रेल राज्य मंत्री रावसाहब पाटील दानवे, कोयला सचिव डॉ. अनिल कुमार जैन एवं कोल इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल सहित कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया के आला अधिकारी उपस्थित थे। ईआरपी, विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मॉड्यूल के जरिये संस्थान के कार्यों को पूरा करने का एक प्रभावशाली माध्यम (टूल) है। कोल इंडिया ने अपने कार्यों को सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट (एचसीएम), सेल्स एवं डिस्ट्रिब्यूशन (एसडी), प्रोडक्शन एंड प्लानिंग (पीपी), प्लांट मेंटेनेंस (पीएम), प्रोजेक्ट सिस्टम (पीएस), मटेरियल मैनेजमेंट (एमएम) एवं फाइनेंस एंड कंट्रोल (एफआईसीओ) नामक ईआरपी के 07 मॉड्यूल लागू किए हैं।

Date: 25-02-2022
Publication: The Statesman
Edition: Kolkata

ERP to raise production and profitability of CIL: Minister

STATESMAN NEWS SERVICE
NEW DELHI, 24 FEBRUARY

The ERP system would ensure transparency in the coal production, transportation and its sales and hence considerably reduce corruption.

PRALHAD JOSHI
UNION COAL MINISTER

In order to increase productivity and profitability in the coal sector, the government introduced ERP (Enterprise Resource Planning) system in Coal India (CIL) to ensure transparency and reduce corruption, said the Union coal minister Pralhad Joshi here today.

The ERP is a great tool of IT (information technology) intervention that would help CIL to improve its business performance and growth with enhanced data integrity and cost effectiveness, the minister said while inaugurating the ERP system for Coal India Ltd.

With the introduction of the latest IT-enabled technologies, the coal production would also increase. He further pointed out the ERP system would ensure transparency in the coal production, transportation and its sales and hence considerably reduce corruption.

The government has already auctioned 42 coal blocks under commercial auctioning of coal mines. The minister said that with the auction of new blocks and concerted efforts of the Coal India, India would be able to meet coal production targets set for this and next financial years.

He said that the primary objective of the project is to position Coal India as a global player in the energy sector. The ERP will establish best business practices, standardise and unify business processes across CIL and its subsidiaries.

Implementation of ERP across Coal India would also give boost to government endeavours towards digital and new India, the minister added.

Date: 25-02-2022
Publication: Aaj
Edition: Ranchi

कोयला मंत्री ने कोल इंडिया में इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग का किया शुभारंभ

कोल इंडिया की गतिविधियों पर आधारित पुस्तक फ्यूलिंग इंडियाज एनर्जी नीड्स का भी विमोचन

रांची। केंद्रीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को नई दिल्ली में कोल इंडिया में एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) का शुभारंभ किया। इसके साथ ही अनुषंगी कंपनियों एवं इकाइयों सहित पूरे कोल इंडिया में ईआरपी ने कार्य करना शुरू कर दिया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री जोशी ने फ्यूलिंग इंडियाज एनर्जी नीड्स नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। यह पुस्तक कोल इंडिया द्वारा सतत विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का संकलन है। कार्यक्रम में कोयला, खान एवं रेल राज्य मंत्री राव साहेब पाटिल दानवे, कोयला सचिव डा. अनिल कुमार जैन एवं कोल इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल सहित कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया के आला अधिकारी उपस्थित थे। ईआरपी, विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मॉड्यूल के जरिये संस्थान के कार्यों को पूरा करने का एक प्रभावशाली माध्यम (टूल) है। ईआरपी के इस्तेमाल से कोल इंडिया में डेटा इंटेग्रिटी को बढ़ावा मिलेगा, कंपनी के खर्चों में कमी होगी, जिससे कंपनी के बिजनेस परफॉर्मेंस एवं विकास को नई ऊंचाई मिलेगी और कंपनी को माइनिंग सेक्टर की एक ग्लोबल कंपनी के रूप में मजूबती से स्थापित होने में मदद मिलेगी। कोल इंडिया ने अपने कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट (एचसीएम), सेल्स एवं डिस्ट्रिब्यूशन (एसडी), प्रोडक्शन एंड प्लानिंग (पीपी), प्लांट मेंटेनेंस (पीएम), प्रोजेक्ट सिस्टम (पीएस), मटीरियल मैनेजमेंट (एमएम) एवं फाइनैंस एंड कंट्रोल (एफआईसीओ) नामक ईआरपी के 07 मॉड्यूल लागू किए हैं। ईआरपी लागू किए जाने जाने पहले कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों एवं इकाइयों ने अपने कार्यों को पूरा करने के लिए स्थानीय स्तर पर अपनी कार्य प्रणाली लागू की थी, जिनमें एकरूपता नहीं थी। अब पूरे कोल इंडिया के लिए एक ईआरपी लागू होने से समय पर सटीक एवं रीयल टाइम डेटा उपलब्ध होगा, जिससे कामकाज में तेजी आएगी, प्रबंधन विभिन्न विषयों पर तेजी से निर्णय ले पाएगा और नतीजे और बेहतर होंगे। इससे कंपनी की उत्पादकता बढ़ेगी और प्रक्रियाएं ज्यादा पारदर्शी होंगी। गौरतलब है कि कोल इंडिया में ईआरपी दो चरणों में लागू हुआ है। पहले चरण में इसे कोल इंडिया मुख्यालय एवं दो अनुषंगी कंपनियों डब्ल्यूसीएल एवं एमसीएल में लागू किया गया था। अब दूसरे चरण में इसे बाकी अनुषंगी कंपनियों एसईसीएल, एनसीएल, सीसीएल, ईसीएल, बीसीसीएल एवं सीएमपीडीआई में लागू किया गया है। (टेक महिन्द्रा) पहले चरण की इंप्लिमेंटेशन पार्टनर थी, जबकि 'एक्सेंचर' दूसरे चरण की इंप्लिमेंटेशन पार्टनर है। कोल इंडिया ने ईआरपी प्रोजेक्ट को तय समय से करीब 15 महीने पहले ही पूरा कर लिया है। इस प्रोजेक्ट को पूरे कोल इंडिया में लागू किए जाने के लिए 51 महीने का समय तय था।

Date: 26-02-2022
Publication: The Pioneer
Edition: Hyderabad

Coal India arm MCL on track to outstrip annual production

PNS ■ NEW DELHI

Coal India on Friday said that its Odisha-based arm MCL is on track to outstrip its annual production target of 163 million tonnes (MT) for the ongoing fiscal.Mahanadi Coalfields Ltd (MCL) on Thursday breezed past its highest-ever production that it recorded in FY'21, 35 days ahead of FY'22-end."Averaging a little over 5 lakh tonnes per day, MCL is on track to outstrip its annual production target of 163 MT for FY'22," Coal India (CIL) said in a statement.

In ramping up its production to 148.2 million tonnes (MT) as of Thursday, Mahanadi Coalfields Ltd (MCL) excelled its entire FY'21 output of 148 MT. "As of the referred date, MCL has surpassed its progressive target of 144.5 MT by 3.7 MT with the achievement being 102.6 per cent," it said.Another subsidiary of CIL, South Eastern Coalfields Ltd as of Wednesday despatched 139 MT of coal, surpassing the total despatch of 138.8 MT of FY'21.

Date: 26-02-2022
Publication: The Financial Express
Edition: Chandigarh

CIL arm likely to outstrip FY22 output target

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, February 25

COAL INDIA (CIL) on Friday said its Odisha-based arm MCL is on track to outstrip its annual production target of 163 million tonne (MT) for the ongoing fiscal year.

Mahanadi Coalfields (MCL) on Thursday breezed past its highest-ever production that it recorded in FY21, 35 days ahead of FY22-end.

"Averaging a little over 5 lakh tonnes per day, MCL is on track to outstrip its annual production target of 163 MT for FY'22," Coal India said in a statement.

In ramping up its production to 148.2 million tonne (MT) as of Thursday, Mahanadi Coalfields (MCL) excelled its entire FY21 output of 148 MT.

"As of the referred date, MCL has surpassed its progressive target of 144.5 MT by 3.7 MT with the achievement being 102.6%," it said.

Another subsidiary of CIL, South Eastern Coalfields as of Wednesday despatched 139 MT of coal, surpassing the total despatch of 138.8 MT of FY'21.

Mahanadi Coalfields on Thursday breezed past its highest-ever production that it recorded in FY21, 35 days ahead of FY22-end

Earlier, till February 16 of the ongoing fiscal year, CIL has already supplied 575 MT of coal, bettering its annual despatch of 574.5 MT of FY21, 43 days ahead of the current fiscal's closure.

Currently, averaging 2.3 MT of output per day and 2.1 MT in off-take, CIL is comfortably poised to cruise over the previous highs in production and despatch and set a new record in FY'22. CIL accounts for over 80% of domestic coal output.